

मैया ओ चिठी मेरी है

जो सब तो छोटी बड़ा दर्द है भरेया
मैया ओ चिठी मेरी है
सहनु पता तेरे कोलो टाइम नही माँ हालत लिखती जो मेरी ऐ,
मैया ओ चिठी मेरी है

चिठी लिखदे होए दाती अखियाँ तो हंजू वगदे सी
तेनु की दसा दुनिया वाले अपना बन के मेनू ठाग दे सी
मैं हंजुआ दे नाल जिहदा वरका भरेया
मैया ओ चिठी मेरी है

हथ कभ दे सी मैया मेरी जिस वेले चिठी लिखदा सी
अख बंद करा जद भी मैं अपनी तेरा ही चेहरा दिसदा सी
जिहनू लिखदे होए मैं बहुत सी डरेया
मैया ओ चिठी मेरी है

इतनी किरपा तू कर मैया मेरे जखमा ते बस लूँ
न धर मेरे दिल दे अरमान दा माँ तू शरेआम एवे खून न कर
जिहदा हर इक पासा मेरे खून न भरेया,
मैया ओ चिठी मेरी है

बोती गल्ला नही लिखियाँ माँ बस दिल दा हाल सुनिया ऐ,
राहुल नु दुःख ने घेर लिया ओहने तेरा जय कारा लाया ऐ,
बस आर भी जिहु खत्म मैं करेया
मैया ओ चिठी मेरी है

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18367/title/maiya-o-chiti-meri-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |